भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में आज दिनांक 18 अक्टूबर 2023 को भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय एवं समस्त भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के राजभाषा हिंदी से संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु 'निरीक्षण प्रश्नावली' विषय पर भा.वा.अ.शि.प. के प्रमंडल कक्ष में एक विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. गीता जोशी, स.म.नि. (मी.व वि.) ने किया। इस कार्यशाला में दो विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। पहले सत्र में भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय से श्री एम.एन.भट्ट, प्रबंधक (राजभाषा)(सेवानिवृत्त) ने कार्यशाला को संबोधित किया एवं डॉ. राजनारायण अवस्थी, उप प्रबंधक (राजभाषा) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद, ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दूसरे सत्र को संबोधित किया। श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक, (राजभाषा) ने मंच का संचालन किया। इस कार्यशाला में कुल 43 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय एवं भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के अधिकारियों एवं कार्मिकों को राजभाषा निरीक्षण प्रश्नावली को उचित तरीके से भरने के बारे में जानकारी प्रदान करना था। पहले सत्र में श्री भट्ट ने राजभाषा हिंदी से जुड़ी विभिन्न समितियों की जानकारी देते हुए संसदीय राजभाषा समिति के बारे में बताया और निरीक्षण प्रश्नावली की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को इसे सही तरीके से भरने के बारे में बिंदुवार जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि किसी भी कार्यालय द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों और उपलब्धियों को प्रकाश में लाने हेतु निरीक्षण प्रश्नावली एक मुख्य दस्तावेज है। किसी भी कार्यालय की हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति जानने हेतु संसदीय राजभाषा समिति के समक्ष यही निरीक्षण प्रश्नावली प्रस्तुत की की जाती है। इसलिए इसे ध्यानपूर्वक भरा जाना अत्यंत ही आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने निरीक्षण प्रश्नावली को भरने में होने वाली कुछ सामान्य त्रुटियों की तरफ प्रतिभागियों का ध्यान आकृष्ट किया।

प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे सत्र में डॉ. राजनारायण अवस्थी ने हैदराबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया। डॉ. अवस्थी ने निरीक्षण प्रश्नावली को भरने के दौरान उचित शब्दों के प्रयोग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने उन तरीकों के बारे में भी बताया कि कैसे निरीक्षण प्रश्नावली में विभिन्न स्थानों पर भरी जाने वाली सूचनाओं की संगतता बनाई रखी जाए।

अंत में श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने विषय विशेषज्ञों एवं कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले मुख्यालय एवं संस्थानों के सभी अधिकारियों कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यशाला समाप्ति की घोषणा की।

कार्यशाला की कुछ झलकियां